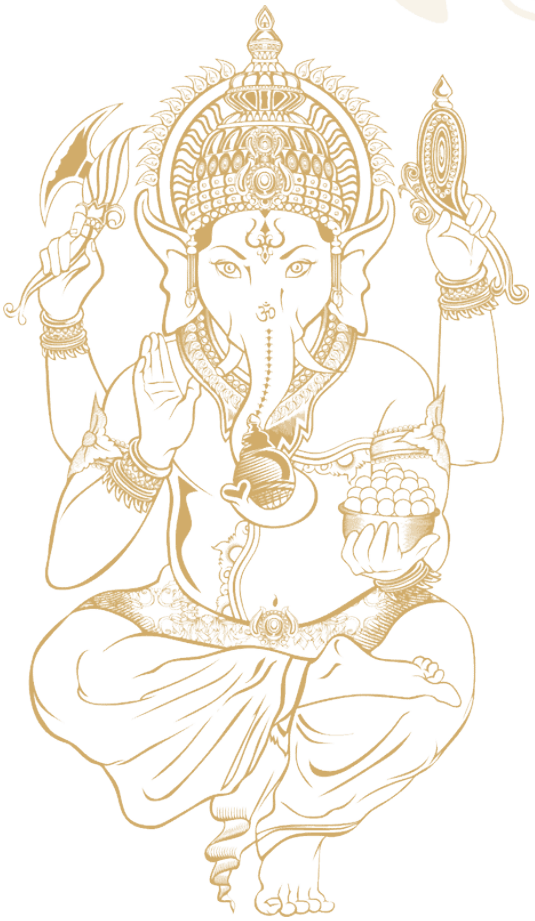

Mr.Aayush

17 Apr 1998

08:30 PM

Bahadurgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119289308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/04/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:30:00 घंटे**
इष्ट	36:26:15 घटी
स्थान	**Bahadurgarh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:42:00 उत्तर
रेखांश	76:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:07:36 घंटे
वेलान्तर	00:00:21 घंटे
साम्पातिक काल	09:49:45 घंटे
सूर्योदय	05:55:29 घंटे
सूर्यास्त	18:49:06 घंटे
दिनमान	12:53:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:33:56 मेष
लग्न के अंश	25:59:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:59:43	306:58:51	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			मेष	03:33:56	00:58:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			धनु	07:10:43	12:38:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मेष	09:34:56	00:44:36	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध	व		मीन	16:16:14	00:13:52	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	22:59:56	00:12:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			कुंभ	18:16:20	01:05:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि		अ	मेष	00:02:21	00:07:36	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	15:25:23	00:04:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	15:25:23	00:04:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:32:37	00:01:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:15:14	00:00:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:51:27	00:01:08	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	01:19:50	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:52

लग्न-चलित

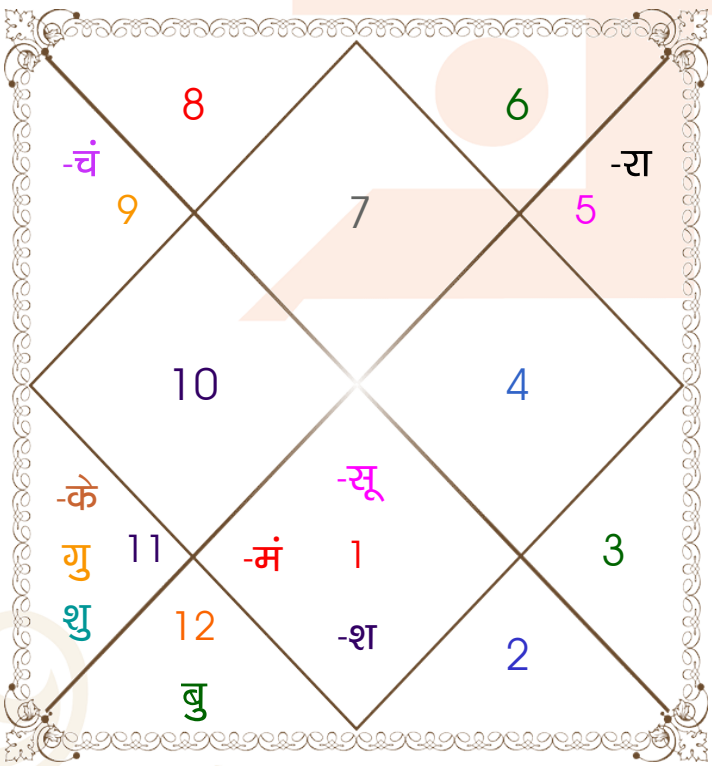

चन्द्र कुंडली

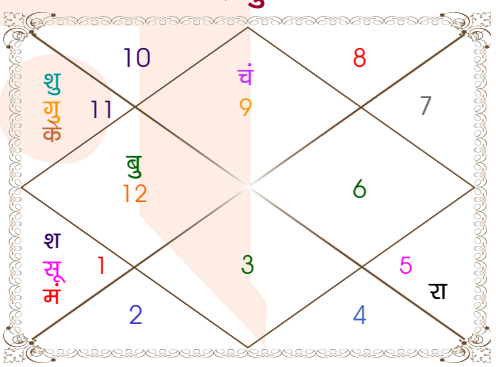

नवमांश कुंडली

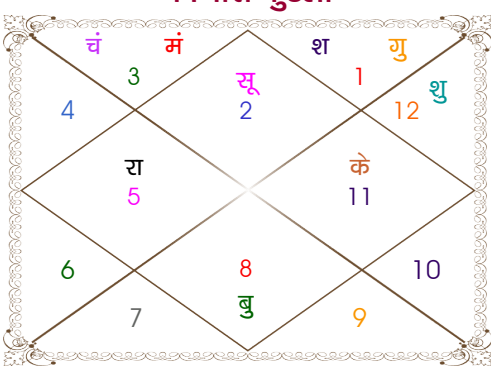

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/04/1998		11/07/2001		11/07/2021		11/07/2027		11/07/2037	
11/07/2001		11/07/2021		11/07/2027		11/07/2037		10/07/2044	
	00/00/0000	शुक्र	09/11/2004	सूर्य	28/10/2021	चंद्र	10/05/2028	मंगल	07/12/2037
	00/00/0000	सूर्य	09/11/2005	चंद्र	29/04/2022	मंगल	09/12/2028	राहु	25/12/2038
	00/00/0000	चंद्र	11/07/2007	मंगल	04/09/2022	राहु	10/06/2030	गुरु	01/12/2039
	00/00/0000	मंगल	09/09/2008	राहु	29/07/2023	गुरु	10/10/2031	शनि	09/01/2041
	17/04/1998	राहु	10/09/2011	गुरु	17/05/2024	शनि	11/05/2033	बुध	06/01/2042
राहु	29/06/1998	गुरु	11/05/2014	शनि	28/04/2025	बुध	10/10/2034	केतु	04/06/2042
गुरु	05/06/1999	शनि	11/07/2017	बुध	05/03/2026	केतु	11/05/2035	शुक्र	04/08/2043
शनि	13/07/2000	बुध	10/05/2020	केतु	11/07/2026	शुक्र	09/01/2037	सूर्य	10/12/2043
बुध	11/07/2001	केतु	11/07/2021	शुक्र	11/07/2027	सूर्य	11/07/2037	चंद्र	10/07/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/07/2044		11/07/2062		11/07/2078		11/07/2097		12/07/2114	
11/07/2062		11/07/2078		11/07/2097		12/07/2114		00/00/0000	
राहु	23/03/2047	गुरु	28/08/2064	शनि	14/07/2081	बुध	07/12/2099	केतु	08/12/2114
गुरु	16/08/2049	शनि	11/03/2067	बुध	23/03/2084	केतु	04/12/2100	शुक्र	07/02/2116
शनि	22/06/2052	बुध	16/06/2069	केतु	02/05/2085	शुक्र	05/10/2103	सूर्य	14/06/2116
बुध	09/01/2055	केतु	23/05/2070	शुक्र	01/07/2088	सूर्य	11/08/2104	चंद्र	13/01/2117
केतु	28/01/2056	शुक्र	21/01/2073	सूर्य	13/06/2089	चंद्र	10/01/2106	मंगल	11/06/2117
शुक्र	28/01/2059	सूर्य	09/11/2073	चंद्र	12/01/2091	मंगल	07/01/2107	राहु	18/04/2118
सूर्य	22/12/2059	चंद्र	11/03/2075	मंगल	21/02/2092	राहु	27/07/2109		00/00/0000
चंद्र	22/06/2061	मंगल	15/02/2076	राहु	28/12/2094	गुरु	02/11/2111		00/00/0000
मंगल	11/07/2062	राहु	11/07/2078	गुरु	11/07/2097	शनि	12/07/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 2 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।